a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

Exam. Code : 216302
Subject Code : 4770

M.A. (Hindi) 2nd Semester

ADHUNIK HINDI KAVYA

Paper–VI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :– कुल **5** प्रश्न करें। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **एक** प्रश्न का उत्तर दे। **पाँचवे** प्रश्न का चयन किसी भी खण्ड से करें।

खण्ड–1

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) श्रेय नहीं कुछ मेरा :
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में -
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था–
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था :
वह तो सब कुछ की तथता थी–

(ख) कुछ हैं जिन्हें शब्द मिल चुके हैं
कुछ हैं जो अक्षरों के आगे अंधे हैं
वे हर अन्याय को चुपचाप सहते हैं
और पेट की आग से डरते हैं
जबकि मैं जानता हूँ कि 'इनकार से भरी एक चीख'
और 'एक समझदार चुप'
दोनों का मतलब एक है–

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

(ग) ओ मेरे आदर्शवादी मन। ओ मेरे सिद्धान्तवादी मन। अब तक क्या किया ? जीवन क्या जिया। दुखों के दागों को तमचों सा पहना। अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना। असंगत बुद्धि व अकेले में सहना। जिन्दगी निष्क्रिय बन गई तलघर। 6+5+5=16

2. (क) किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के
किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे। प्लवन होगा। ढहेंगे सहेंगे। बह जायेंगे।

(ख) साफ-साफ कह दे कि यह
सिर्फ, सकारी हुई आत्मीयता है
कि भूखा रहकर भी आदमी
अपने हिस्से का आकाश
मुस्कराते हुए ढोता है
अपने देश की मिट्टी को आँख की
पुतली समझता है।

(ग) चेहरे वे मेरे जाने बूझे लगते। उन के चित्र समाचार पत्रों में छपे थे। उनके लेख देखे थे। यहां तक कविताएं पढ़ीं थीं। भई वाह ! उन में कई प्रकाण्य आलोचक, विचारक, जगमगाते कविगण। यहां तक कि शहर का हत्यारा कुख्यात डोमा जी उस्ताद।
बनता है बलबन। 6+5+5=16

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

खण्ड–2

3. छायावादोत्तर काव्यांदोलन में अज्ञेय के योगदान पर प्रकाश डालिए। 16

4. 'असाध्य वीणा' की संवेदना और शिल्प पर विचार कीजिए। 16

खण्ड–3

5. 'अंधेरे में' कविता के शिल्प का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 16

6. मुक्तिबोध के काव्य की मूल संवेदना तथा शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

खण्ड–4

7. साठोत्तरी हिन्दी कविता में घूमिल का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

8. घूमिल की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए। 16

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab b